CBSE Class 09 Hindi B
आदर्श प्रश्न पत्र - 04 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
देना ही देवता की वास्तविक विशेषता है। असहाय व्यक्ति का शोषण करने वाला किसी को केवल दुःख दे सकता है। देने का काम वही कर सकता है जो स्वयं भी परिपूर्ण होता है। देवता स्वयं को भी देता है और दूसरों को भी। जिसने स्वयं को न दिया, वह दूसरों को क्या देगा? हम लोग अक्सर कहते हैं कंजूस किसी को कुछ नहीं देता। यह बात ठीक नहीं है कि कृपण दूसरे को नहीं देता, पर देता है? वह दीन-हीन की तरह रहता है और उसी तरह मर भी जाता है। देने से किसी व्यक्ति की सम्पन्नता सार्थक होती है। धन की तीन गतियाँ होती हैं-उपभोग, दान और नाश। जिसने धन का उपभोग नहीं किया, दान नहीं किया, उसके धन के लिए एक ही गति बचती है-नाश। घूस और अनैतिक ढंग से हड़पकर दूसरों के धन से घर भरने वालों का यही अन्त होता है। सत्ता, व्यापार, राजनीति में इस प्रकार के सफेदपोश लुटेरे छुपे हुए हैं। जो हम अर्जित करते हैं, वह हमारा जीवन है। धन हमारे जीवन का केन्द्र नहीं है। धन एक संसाधन है, जिससे हम अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हैं। धन एक सहायक-सामग्री है, जिससे हम जीवन के उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं। धन का काम है कि वह हमें सुख दे। यह सुख हमें तीन क्रियाओं से मिलता है-धन के अर्जन से, धन के उपभोग से और धन के दान से। इन तीन क्रियाओं से धन हमारी सेवा करता है। बाकी क्रियाओं से हम धन की सेवा करते हैं। कंजूस धन को बचा लेते हैं। अपव्ययी उसे उड़ा देते हैं, लाला उसे उधार देते हैं। चोर उसे चुरा लेते हैं, धनी उसे बढ़ा देते हैं, जुआरी उसे गँवा देते हैं और मरने वाले उसे पीछे छोड़ जाते हैं।

   i. देवता की वास्तविक विशेषता क्या है? (2)
   ii. कंजूस का जीवन कैसा होता है? (2)
   iii. किस धन का नाश होता है? (2)
   iv. हमें सुख कैसे मिलता है? (2)

v. धन की कितनी गतियाँ होती हैं? (1)

vi. लाला धन का क्या करते हैं ? (1)

खंड - ख (व्याकरण)

2. शब्द कहते हैं -

a. ध्वनियों के संयोग को।

b. भाषा की निरर्थक इकाई को।

c. वर्णों के मेल से बने स्वतंत्र एवं सार्थक ध्वनि समूह को।

d. ध्वनियों से बने समूह को, जो किसी अर्थ का द्योतक न हो।

3. शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होते हैं तो वे ________ कहलाते हैं।

a. पद

b. शब्द

c. इनमें से कोई नहीं।

d. शब्द और पद

4. अनुनासिक और अनुस्वार में कौन-सा अंतर सही नहीं है?

a. अनुनासिक का प्रयोग वहां होता है जहां मात्राएं शिरोरेखा के ऊपर ना लगी हों तथा अनुस्वार का प्रयोग वहां होता है जहां मात्राएं शिरोरेखा के ऊपर लगी हों।

b. अनुनासिक को परिवर्तित नहीं किया जा सकता। अनुस्वार को वर्ण में बदला जा सकता है।

c. अनुनासिक स्वर है और अनुस्वार व्यंजन।

d. अनुनासिक शब्दों के अंत में प्रयोग किया जाता है तथा अनुस्वार शब्दों के आरंभ में प्रयोग किया जाता है।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा मानक रूप है ?

a. घूघंट

b. अँधेर

c. कुआं

d. चांद

6. किस शब्द में दो प्रत्ययों का एक साथ प्रयोग किया गया है?

a. सम्मानित

b. जादूगर

c. चिरस्मरणीय

d. शीतलता

7. 'लेखक' शब्द में कौन-सा प्रत्यय प्रयोग किया गया है?

a. खक

b. ख्क

c. अक

d. क

8. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा पद उपसर्ग रहित है?

a. अनजान

b. सहकारी

c. आजन्म

d. इकहरा

9. निम्नलिखित में से किस शब्द में उपसर्ग प्रयोग किया गया है ?

a. चिंतन

b. अतिरिक्त

c. प्यास

d. भारतीयता

10. निम्नलिखित में से श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द -युग्म कौन सा है ?

a. तीनों सही

b. जन्म- मृत्यु

c. गर्मा-गर्म

d. चरम -चर्म

11. "जितने मर्ज़ी झूठे _____ दिए जाओ, अपने किये का_____ तो तुम्हें भुगतना ही होगा ।"–रिक्त स्थानों में श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द-युग्म का प्रयोग करें।

a. प्रमाण-परिणाम

b. प्रणाम-प्रमाण

c. परिमाण-परिणाम

d. परमान-परनाम

12. 'धनुष' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. उपल

b. हय

c. चाप

d. विटप

13. 'निर्धन' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. कंगाल

b. बाजी

c. सुरेन्द्र

d. वसन

14. 'भोगी' शब्द का विलोम बताइए।

a. योगी

b. मिलन

c. रीति

d. पतन

15. 'धूमिल' शब्द का विलोम बताइए।

a. शांति

b. विपक्ष

c. उज्जवल

d. प्रकट

16. निम्नलिखित में से कौन अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद है।

a. मिश्र वाक्य

b. सरल वाक्य

c. संयुक्त वाक्य

d. विधिवाचक वाक्य

17. यह वाक्य किस वाक्य का उदाहरण है- तुम अपना काम करो।

a. प्रश्नवाचक वाक्य

b. संकेतवाचक वाक्य

c. विधिवाचक वाक्य

d. आज्ञावाचक वाक्य

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. बुढ़िया के दुख से दुखी लेखक को किसकी याद आई? दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर बताइए।

b. लेखक ने अतिथि का स्वागत किस प्रकार किया?

c. लेखक के अनुसार स्वाधीनता आंदोलन का कौन सा दिन सबसे बुरा था? धर्म की आड़ पाठ के आधार पर बताइए।

19. आशय स्पष्ट कीजिए- जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोके रहती है।

OR

एवरेस्ट की शिखर यात्रा में किन-किन लोगों ने लेखिका बछेन्द्री पाल को सहयोग दिया?

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. कवि रैदास ने गरीब निवाजु किसे कहा है और क्यों?

b. भाव स्पष्ट कीजिए- दीरघ दोहा अरथ के, आखर थोरे आहिं।

c. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।

21. आज की परिस्थितियों में रहीम के दोहे कितने प्रासंगिक हैं? किन्हीं दो उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

OR

एक फूल की चाह कविता में देवी के भक्तों की दोहरी मानसिकता उजागर होती हैं। स्पष्ट कीजिए।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. गिल्लू किन अर्थों में परिचारिका की भूमिका निभा रहा था?

b. मालाबार में हिन्दू-मुसलमानों के पारस्परिक सम्बन्धों को हामिद खाँ पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए।

c. दिए जल उठे पाठ के द्वारा लेखक क्या प्रेरणा देना चाहता है?

खंड - घ (लेखन)

23. **बढ़ते उद्योग कटते वन** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- भूमिका

- वृक्षों से लाभ
- वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम
- वृक्षारोपण
- उपसंहार

OR

फ्लैट सिस्टम विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- वर्तमान जीवन शैली
- सुविधाएँ-मकानों का अभाव
- हानियाँ

24. अपने मित्र को कार-दुर्घटना में उसके पिता की मृत्यु पर संवेदना-पत्र लिखिए।

OR

अपने जन्म दिन पर अपने मित्र को निमन्त्रित करते हुए पत्र लिखिए।

25. गणतंत्र दिवस पर देशवासियों के लिए शुभकामना संदेश लिखिए।

OR

आप अपने क्षेत्रवासियों की ओर से नवनिर्वाचित विधायक को बधाई संदेश दीजिए।

26. समाज में लड़कियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आत्मसुरक्षा की सीख देते हुए एक माँ और बेटी का संवाद 50 शब्दों में लिखिए।

OR

विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

27. नारी शिक्षा के विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

OR

कोरोना से बचाव विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

9 Hindi B SP-04

Class 09 - Hindi B

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. देवता की वास्तविक विशेषता देना है। वह स्वयं को भी देता है और दूसरों को भी।
   ii. कंजूस किसी को कुछ नहीं देता और स्वयं को भी कुछ नहीं देता है।
   iii. जिस धन का उपभोग नहीं होता और न ही दान दिया जाता है उस धन का नाश होता है।
   iv. हमें सुख तीन क्रियाओं से मिलता है-धन के अर्जन से, धन के उपभोग से और धन के दान से।
   v. धन की तीन गतियाँ होती हैं-उपभोग, दान और नाश।
   vi. लाला धन को उधार देते हैं।

खंड - ख (व्याकरण)

2. (c) वर्णों के मेल से बने स्वतंत्र एवं सार्थक ध्वनि समूह को।

   Explanation: वर्णों के मेल से बने स्वतंत्र एवं सार्थक ध्वनि समूह को शब्द कहते हैं।
3. (a) पद

   Explanation: पद - आज, विद्यालय, सुबह, जब इन्हें वाक्य में प्रयुक्त करेगें तब ये शब्द न रह कर पद बन जायेंगे। जैसे - आज सुबह विद्यालय बंद था।
4. (d) अनुनासिक शब्दों के अंत में प्रयोग किया जाता है तथा अनुस्वार शब्दों के आरंभ में प्रयोग किया जाता है।

   Explanation: अनुनासिक शब्दों के अंत में प्रयोग किया जाता है तथा अनुस्वार शब्दों के आरंभ में प्रयोग किया जाता है। जैसे - संस्था (अनुनासिक), पहुँच (अनुस्वार)
5. (b) अँधेर

   Explanation: अँधेर
6. (d) शीतलता

   Explanation: शीतलता (शीत+ल+ता)
7. (c) अक

   Explanation: अक (लेख+अक=लेखक)
8. (d) इकहरा

   Explanation: इकहरा I एक-मूल शब्द, हरा-प्रत्यय I
9. (b) अतिरिक्त

   Explanation: अतिरिक्त (अति+रिक्त= अधिक)
10. (d) चरम -चर्म

    Explanation: दोनों शब्द सुनने में एक जैसे परन्तु अर्थ में बिल्कुल भिन्न(सर्वोच्च, चमड़ा) हैं।

11. (a) प्रमाण-परिणाम

    Explanation: दोनों शब्द सुनने में एक से अर्थों में भिन्न होने के साथ-साथ वाक्य में उपयुक्त भी हैं।

12. (c) चाप

    Explanation: धनुष-चाप

13. (a) कंगाल

    Explanation: निर्धन-कंगाल

14. (a) योगी

    Explanation: भोगी - योगी

15. (c) उज्जवल

    Explanation: धूमिल- उज्जवल

16. (d) विधिवाचक वाक्य

    Explanation: विधिवाचक अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद है, बाकी तीनों रचना के आधार पर वाक्य के भेद हैं।

17. (d) आज्ञावाचक वाक्य

    Explanation: जिस वाक्य के माध्यम से किसी आज्ञा का बोध हो, उसे आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं। प्रस्तुत वाक्य आज्ञावाचक वाक्य का उदाहरण है।

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. खरबूज़े बेचने आई महिला को रोती देखकर लेखक ने उसके दुख को महसूस किया। वह दुखी हो गया। बुढ़िया को शोक मनाने का भी अवसर न मिल पाया था, यह सोचकर उसे अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद आई, जो इस स्थिति में दो-ढाई महीने तक बिस्तर से भी न उठ पाई थी।

    b. लेखक ने अतिथि का स्वागत एक स्नेह-सी मुस्कराहट साथ किया तथा एक उच्च-मध्यम वर्ग के परिवार के समान उसे डिनर, लंच कराया तथा रात को सिनेमा भी दिखाने ले गया।

    c. लेखक के अनुसार स्वाधीनता आंदोलन का सबसे बुरा दिन वह था जब हमने धर्म के ठेकेदारों को आवश्यकता से अधिक महत्त्व देना शुरू कर दिया और उनकी बातों में आकर हम धर्म के नाम पर बंट गए। धर्म की आड लेकर स्वाधीनता आंदोलन के दौरान लोगों में नफरत का बीज बोया गया और ऐसा करने में धर्म के ठेकेदार सफल भी रहे।

19. पतंग डोर से बँधी होती है। डोर के हिसाब से उसे नियंत्रित किया जाता है। जब डोर से पतंग अलग हो जाती है, तब वह हवा के झोंकों के सहारे तैरती हुई उड़ती है। डोर के अलग हो जाने के बाद भी हवा के कारण अचानक ही धरती पर नहीं आ जाती है। समाज में व्यक्ति अपने परिवार और आर्थिक स्तर की डोर से बँधा होता है। वह इन्हीं से नियंत्रित होता है। जब अपनी पढ़ाई-लिखाई और संवेदना के विकास के साथ व्यक्ति इन डोरों से अलग तो हो जाता है फिर भी समाज की हवा यानि पोशाक आदि बाहरी प्रभावों के कारण वह तत्काल आम आदमी या गरीब आदमी से जुड़ नहीं पाता है। लेखक

भी झुक कर यानि हर तरह से गरीब वर्ग के साथ मिलना-जुलना चाहता है, लेकिन उसकी पोशाक इस विचार और व्यवहार में बाधक बनती है।

OR

एवरेस्ट की शिखर यात्रा में अभियान दल के नेता कर्नल खुल्लर, उपनेता प्रेमचंद, साथी अंगदोरजी तथा डॉक्टर मीनू मेहता ने लेखिका को सफलता प्राप्त करने में उल्लेखनीय सहयोग दिया। कर्नल खुल्लर ने लेखिका को शिखर यात्रा के प्रारंभ से लेकर अंत तक हिम्मत बँधायी, उसका साहस बढ़ाया। उन्होंने अभियान दल के सभी सदस्यों की मृत्यु को सहजता से स्वीकार करने का पाठ पढ़ाकर उन्हें मृत्यु के भय से मुक्त किया। उपनेता प्रेमचंद ने पहली बाधा खंभु हिमपात की स्थिति से उन्हें अवगत कराया और सचेत किया कि ग्लेशियर बर्फ की नदी है तथा बर्फ का गिरना जारी है। अतः सभी लोगों को सावधान रहना चाहिए। डॉक्टर मीनू मेहता ने एल्युमीनियम की सीढ़ियों से अस्थायी पुल बनाने, लट्ठों एवं रस्सियों का उपयोग, बर्फ की आड़ी-तिरछी दीवारों पर रस्सियों को बाँधना आदि सिखाया। अंगदोरजी ने लेखिका को लक्ष्य तक पहुँचने में सहयोग दिया तथा प्रोत्साहित भी किया।

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. कवि ने 'गरीब निवाजु' अपने आराध्य प्रभु को कहा है, क्योंकि उन्होंने गरीबों और कमज़ोर समझे जाने वाले और अछूत कहलाने वालों का उद्धार किया है। इससे इन लोगों को समाज में मान-सम्मान और ऊँचा स्थान मिल सकता है।

    b. इस पंक्ति का भाव यह है कि दोहे में अक्षर कम होने के बावजूद उसमें गूढ़ अर्थ छिपा रहता है। उनका गूढ़ अर्थ ही उनकी गागर में सागर भरने की प्रवृत्ति को स्पष्ट कर देता है। ठीक वैसे ही जैसे नट कुंडली को समेटकर कूदकर रस्सी पर चढ़ जाता है। कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि हम जीवन में जो भी कार्य करें उसमें हमें सिद्धहस्त होना चाहिए।

    c. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को राख की ढेरी के रूप में पाया। वह मर चुकी थी, अत: उसे सुखिया के परिचितों ने मरघट पर फेंक दिया था। वह राख की ढेरी बन चुकी थी।

21. रहीम द्वारा रचित दोहे नीति और आदर्श की शिक्षा देने के अलावा मनुष्य को करणीय और अकरणीय बातों का ज्ञान देते हुए कर्तव्यरत होने की प्रेरणा देते हैं। समाज को इन बातों की अपेक्षा इन दोहों के रचनाकाल में जितनी थी, उतनी ही आज भी है। आज भी दूसरों का दुख सुनकर समाज उसे हँसी का पात्र समझता है। इसी प्रकार अपने पास धन न होने पर व्यक्ति की सहायता कोई नहीं करता है। ये तथ्य पहले भी सत्य थे और आज भी सत्य हैं। अत: रहीम के दोहे आज भी पूर्णतया प्रासंगिक हैं।

    OR

    'एक फूल की चाह' कविता में देवी के उच्च जाति के भक्तगण जोर-ज़ोर से गला फाड़कर चिल्ला रहे थे, "पतित-तारिणी पाप-हारिणी माता तेरी जय-जय-जय!" वे माता को भक्तों का उद्धार करने वाली, पापों को नष्ट करने वाली, पापियों का नाश

करने वाली मानकर जय-जयकार कर रहे थे। उसी बीच एक अछूत भक्त के मंदिर में आ जाने से वे उस पर मंदिर की पवित्रता और देवी की गरिमा नष्ट होने का आरोप लगा रहे थे। जब देवी पापियों का नाश करने वाली हैं तो एक पापी या अछूत उनकी गरिमा कैसे कम कर रहा था। भक्तों की ऐसी सोच से उनकी दोहरी मानसिकता उजागर होती है।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. एक बार लेखिका बीमार हो गयी तो गिल्लू ने उसकी खूब सेवा की। वह लेखिका के तकिए के सिरहाने बैठकर अपने नन्हे-नन्हे पंजों से उसके सिर और बालों को इतने हौले-हौले सहलाता रहता कि उसका वहाँ से हटना लेखिका को किसी परिचारिका के हटने के समान लगता। इस प्रकार लेखिका की अस्वस्थता में गिल्लू ने परिचारिका की भूमिका निभाई।

b. मालाबार में हिन्दू-मुसलमान प्रेम से रहते हैं। यदि किसी को बढ़िया चाय पीनी हो, या बढ़िया पुलाव खाना हो तो लोग बेखटके मुसलमानी होटल में जाया करते हैं। यहाँ सब मिल-जुलकर रहते हैं। मुसलमानों ने भारत में जिस पहली मस्जिद का निर्माण किया, वह मालाबार के कोड़ँगल्लूर में है। यहाँ दंगे भी न के बराबर होते हैं। यहाँ आपसी समझ व सद्भावना है।

c. 'दिए जल उठे' पाठ द्वारा लेखक ने समर्पण एवं निस्वार्थ भावना की प्रेरणा दी है। महि सागर नदी को आधी रात में पार करने का निर्णय लिया गया था, ताकि समुद्र का पानी चढ़ने पर कीचड़ और दलदल कम हो जाए। अँधेरी रात थी। कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। थोड़ी ही देर में कई हजार लोग दिए लेकर नदी के तट पर पहुँच गए और आपसी मेलजोल के कारण सत्याग्रहियों को नदी पार कराने में कामयाब हुए।

खंड - घ (लेखन)

23. **भूमिका-** ईश्वरीय सृष्टि की अद्भुत, अलौकिक रचना प्रकृति है। मनुष्य ने प्रकृति की गोद में आँखें खोली हैं एवं प्रकृति ने ही मनुष्य का पालन-पोषण किया है, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उद्योगों के बढ़ने से वनों की कटाई बढ़ती जा रही है।
वृक्षों से लाभ- मनुष्य का सम्पूर्ण जीवन पेड़-पौधों पर आश्रित रहता है। पेड़-पौधों की लकड़ी विभिन्न रूपों में मनुष्य के काम आती है। वृक्षों से हमें फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ आदि प्राप्त होती हैं। शुद्ध वायु एवं तपती दोपहर में छाया वृक्षों से ही प्राप्त होती है। वृक्ष वर्षा में सहायक होते हैं एवं भूमि को उर्वरक बनाते हैं।
वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम- जनसंख्या के दबाव, शहरों का विस्तार, फैक्ट्र्यों के लिए भूमि की कमी को दूर करने के लिए वृक्षों की व्यापक पैमाने पर कटाई मनुष्य के द्वारा की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण का बढ़ना एवं प्राकृतिक आपदाओं से विनाश का खतरा बढ़ता जा रहा है।
वृक्षारोपण- देर से सही, मनुष्य ने वृक्षों के महत्व को स्वीकारा तो है। वन विभाग द्वारा नये वृक्षों का रोपण किया जा रहा है एवं पुराने वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए वन महोत्सव प्रारम्भ किया गया है जो जुलाई मास में मनाया जाता है जिसमें व्यापक रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जाता है।
उपसंहार- आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य प्रकृति से जुड़े। यह समझे कि कुल्हाड़ी वृक्षों पर नहीं वरन् उसी पर चल रही है। हमारी संस्कृति में वृक्षों पर देवताओं का वास बताया गया है एवं वृक्ष काटना भयंकर पाप बताया है। वृक्षारोपण

करने को महान् पुण्य बताया है।

OR

वर्तमान जीवन शैली- आज जहाँ भी देखो ऊँची-ऊँची बहु मंजिला इमारतें हैं। प्रत्येक मनुष्य का सपना है कि वह इन इमारतों में सुख पूर्वक रहे। इन इमारतों के कारण धीरे-धीर मनुष्य के रहन-सहन व जीवन शैली में बदलाव आया है। इनमें रहना आधुनिकता का सूचक है। फ्लैट सिस्टम के कारण पड़ोस कल्चर खत्म हो गया है। आज मनुष्य एकाकी जीवन जीने लगा है। छोटे-छोटे फ्लैटों के कारण संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार ने ले ली है। मानव अपने में ही सिमट गया है। लोग दूसरों के घर-परिवार में दखलंदाजी नहीं करते। सब अपने काम में ही व्यस्त रहते हैं।
सुविधाएँ-मकानों का अभाव- यह फ्लैट सभी सुविधाओं से सम्पन्न होते हैं। ये जितने सुविधाजनक होते हैं उतने प्रतिष्ठा के सूचक भी। इन फ्लैटों में रहने वाले अमीर और इज्जतदार माने जाते हैं। इसके साथ ही आज आवासीय जमीनों की कमी के कारण भी फ्लैट सिस्टम को बढ़ावा मिला है। फ्लैट आज के समय की जरूरत है।
हानियाँ- बहुमंजिला इमारतें सुविधाजनक होने के साथ हानिकारक भी हैं। यह इमारतें ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाती है। इनमें होने वाली ऊर्जा की खपत और पृथ्वी का खनन सब हानियाँ हैं। इसके साथ फ्लैट सिस्टम के कारण बच्चों को बुजुर्गों का प्यार व संस्कार भी नहीं मिल पाते हैं। परस्पर सहयोग व मिल-जुल कर रहने की भावना का विकास भी इस फ्लैट सिस्टम के कारण खत्म होता जा रहा है। असामाजिक गतिविधियों को भी फलने-फूलने का अवसर इस फ्लैट सिस्टम में आसानी से मिल जाता है।

24. पी-25/35, लाजपत नगर,
दिल्ली
दिनांक : 05-03-2019
प्रिय मित्र हरीश,
तुम्हारे पूज्य पिताजी की एक कार-दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु का समाचार सुनकर हृदय में असीम पीड़ा हुई। कुछ क्षणों के लिए इस समाचार पर विश्वास नहीं हुआ। पिछले सप्ताह ही तो मुझे उनसे मिलने का अवसर प्राप्त हुआ था। उनका वह मुस्कान से भरा मुखमण्डल आज भी मेरी आँखों के समक्ष विद्यमान है।
मित्र! ईश्वर की लीला भी बहुत विचित्र है। इस संसार में कुछ भी स्थायी नहीं है। उसकी आज्ञा के सम्मुख हमें अपना सिर झुकाना ही पड़ता है। मृत्यु पर किसी का भी वश नहीं चलता, मैं जानता हूँ कि तुम्हारे ऊपर विपत्ति का पहाड़ टूट पड़ा है, पर धैर्य धारण करने के अतिरिक्त कोई अन्य उपाय भी तो नहीं है। तुम तो स्वयं बुद्धिमान एवं धैर्यशील हो। तुम्हें धैर्य धारण करने के साथ ही घर के अन्य सदस्यों को भी धैर्य धारण कराना चाहिए। मैं ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूँ कि वह तुम्हें और तुम्हारे परिवार को इस आकस्मिक आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।
तुम्हारा मित्र,
गिरिश

OR

276/4 किदवई नगर,

दिल्ली

05 मार्च, 2019

प्रिय मित्र,

सप्रेम नमस्कार।

तुम्हें यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता होगी कि 08 मार्च को सांय काल 4 बजे हर वर्ष की भाँति मैं अपना जन्मदिन मना रहा हूँ। इस अवसर पर अपने सभी मित्रों को निमन्त्रित किया है। पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी वैसा ही कार्यक्रम अपने घर पर रखा है तथा मनोरंजन के कार्यक्रम भी होंगे। मैं इस अवसर पर तुम्हें परिवार सहित हार्दिक निमन्त्रण भेज रहा हूँ। आशा है तुम इसे स्वीकार करोगे और आकर मेरे प्रति असीम स्नेह तथा मित्रता का परिचय दोगे।

तुम्हारा मित्र,

सचिन

25.

संदेश

26 जनवरी, 2020

प्रातः: 6:00 बजे

मेरे प्यारे देशवासियों,

आप सब को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। युवा भारत के भविष्य के निर्माता हैं, अतः इस अवसर पर हमें अपने प्यारे देश के लिए कुछ करने का संकल्प लेना चाहिए। आज हम सभी अपने जीवन के हर कदम पर ईमानदारी और मजबूरों की सेवा का संकल्प लेते हैं। आओ सभी एक साथ मिलकर आगे बढ़ें और देश को मजबूत करें।

जय हिन्द,जय भारत

नरेंद्र मोदी

OR

संदेश

13 अक्तूबर 20xx

प्रातः 11:40 बजे

हम सब पालम विधानसभावासी नवनिर्वाचित विधायक श्री गिरीश जी को तहे दिल से बधाई देते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप हमारे विश्वास को बनाए रखेंगे। लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में आप सब का अमूल्य योगदान है अतः सभी मर्यादाओं को ध्यान में रखकर क्षेत्र के हित में आवश्यक कदम उठाएँगे। आप क्षेत्र में रुके

पड़े विकास के कार्य को फिर से पटरी पर लाएंगे ऐसा हम सबका विश्वास है।
निवेदक
समस्त क्षेत्रवासी

26. माँ - लड़कियों को अपनी सुरक्षा के प्रति खुद ही जागरूक रहना चाहिए।
बेटी - माँ! आप ठीक कह रही हैं। आजकल हमारे कॉलेज में स्वयं आत्मरक्षा करने के सम्बन्ध में शिविर लगाकर जानकारी दी जा रही है।
माँ - कैसी जानकारी?
बेटी - शारीरिक हिंसा से बचाव के दाँव-पेंच व शरीर को चुस्त व दुरुस्त रखने के व्यायाम सिखाते हैं- अचानक हुए आक्रमण से बचाव व स्वयं आक्रमण करने के तरीके बताते हैं।
माँ - अच्छा, तो यह सब लड़कियों को अवश्य सिखाना चाहिए।
बेटी - हमारे कॉलेज की अधिकतर लड़कियाँ अपनी आत्मरक्षा के तरीके सीख चुकी हैं।

OR

शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।
गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?
शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।
गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।
शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?
गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।
शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

27. जब पढ़ेगी नारी तभी अपने हक जान पाएगी
उनके पढ़ने से ही तो जागरूकता आएगी

OR

जितना हो सके घर पर रहना या फिर करना है ये टास्क।
दूरी रखना, हाथ को धोना और लगाए रहना है ये मास्क।